## एक नजर में

### कैंट में हुआ मां जीण माता का मंगल पाठ

**गुना।** श्री जीण माता सेवा समिति, गुना के तत्वावधान में बुधवार को केंट स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर में जीर्ण शक्ति जय माँ जीण मंगलपाठ का आयोजन किया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान गोपाल गुप्ता के निवास पर किया गया। समिति के सदस्य विवेक गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के साथ हुई। इसके उपरांत समिति के सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से मंगलपाठ किया। इस अवसर पर मंदिर में माँ जीण का भव्य महा श्रृंगार किया गया और पूरे दरबार को सुंदर फूलों से सजाया गया, जिससे वातावरण अत्यंत भक्तिमय हो गया। इस धर्मलाभ के अवसर पर समिति के कई वरिष्ठजन और सदस्य उपस्थित रहे। पाठ में शामिल होकर धर्मलाभ लेने वालों में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता, विमल गर्ग, राजेंद्र गर्ग, आर. के., प्रमोद खण्डेलवाल, नीरव गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं।

### डेढ़ साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

**गुना।** आरोन थाना पुलिस ने वर्ष 2024 के प्राणघातक मारपीट के एक प्रकरण में करीब डेढ़ साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल पहुंचा दिया है। उल्लेखनीय है कि यह मामला 07 जून 2024 का है। आरोन थाना क्षेत्र के ग्राम मरेठिया में हनुमत सिंह भील और तोफान सिंह भील ने मिलकर सुल्तान सिंह भील (निवासी ग्राम मरेठिया) के साथ जान से मारने की नीयत से लुंहागी (लाठी) और लात-घूंसों से मारपीट की थी। दोनों आरोपियों के खिलाफ आरोन थाने में अपराध दर्ज किया गया था। एक आरोपी हनुमत सिंह भील को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

# गुना के नामी स्कूलों में नियमों की अनदेखी!

## बिना लाइसेंस-हेलमेट फर्राटा भर रहे छात्र, प्रबंधन और पुलिस मौन

नवभारत न्यूज

**गुना 11 दिस. का। शहर के बड़े और प्रतिष्ठित स्कूलों के प्रबंधन और शिक्षक, जो छात्र-छात्राओं को संस्कारी बनाने और उच्च शिक्षा का ढिंढोरा पीटते हैं, वे ही उन्हें सबसे बुनियादी यातायात नियमों का पालन करना नहीं सिखा पा रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि ये स्कूल अपने आंतरिक नियमों को सख्ती से लागू करते हैं, लेकिन सड़कों पर छात्रों द्वारा की जा रही यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी पर पूरी तरह मौन हैं।**

गुना के अधिकांश स्कूली छात्र-छात्राएं अब या तो दोपहिया वाहन से आते हैं, या उनके परिजन उन्हें चारपहिया वाहन से छोड़ने/लेने आते हैं। बावजूद इसके, गुना के बड़े से बड़े स्कूलों के बच्चे न तो हेलमेट का इस्तेमाल कर रहे हैं और न ही उनके पास ड्राइविंग लाइसेंस होता है। शहर का एक नामी स्कूल तो एबी रोड जैसे व्यस्त मार्ग पर स्थित है, जहाँ दुर्घटना की आशंका सबसे अधिक रहती है। लेकिन, चूँकि इस स्कूल में अधिकारी, जनप्रतिनिधि और धन्नासेठों के बच्चे पढ़ते हैं, इसलिए ट्रैफिक पुलिस भी इन छात्रों पर सख्ती से कार्रवाई करने से बचती है।

**पुलिस की खानापूर्ति, अभिभावकों की बेफिक्री**

पुलिस कभी-कभार हनुमान चौराहा या जयस्तंभ चौराहे पर प्वाइंट लगाकर बच्चों को डांट-फटकार लगा देती है, लेकिन मुख्य समस्या का समाधान नहीं हो पाता है। अभिभावकों को बुलाकर यह नहीं समझाया जाता कि बच्चों के लिए लाइसेंस बनवाना और हेलमेट पहनना अनिवार्य है। हाल ही में 10 दिसंबर को ही पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर हेलमेट और तीन सवारी बैठाने वालों पर कार्रवाई का अभियान खत्म हुआ है। इस अभियान के तहत आम लोगों के चालान तो बनाए गए, लेकिन भविष्य की चाबी माने जाने वाले स्कूली बच्चों को छोड़ दिया गया। यह विचारणीय प्रश्न है कि जिन स्कूलों में उच्च शिक्षा देने का दावा किया जाता है, वे बच्चों को सड़क सुरक्षा की शिक्षा क्यों नहीं दे पाते?

**16 साल में भी बन सकता है डीएल**

मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के अनुसार, सामान्यत: ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए 18 साल की उम्र पूरी होना जरूरी है। हालांकि, एक्ट में एक खास प्रावधान है। मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के तहत, 16 साल की उम्र में भी ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया जा सकता है, लेकिन इसमें कुछ खास शर्तें शामिल हैं।

इस लाइसेंस को लेने के बाद व्यक्ति केवल 50 सीसी या उससे कम सीसी की बिना गियर वाली बाइक/स्कूटी ही चला सकता है। अन्य वाहन चलाने के लिए उसे 18 साल की उम्र पूरी होने के बाद लाइसेंस को अपडेट करवाना पड़ेगा। इस लाइसेंस को बनवाने की प्रक्रिया सामान्य ड्राइविंग लाइसेंस (लर्नर लाइसेंस) बनवाने के समान ही होती है।

**जागरूकता के बावजूद चिंताजनक हालात**

हैरान करने वाला तथ्य यह भी है कि ट्रैफिक विभाग और यहाँ तक कि पुलिस अधीक्षक द्वारा भी समय-समय पर स्कूलों में जाकर बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने और अभिभावकों को समझाइश देने के लिए जागरूक किया जाता रहा है। इसके बावजूद, सबसे ज्यादा चिंताजनक हालात स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा ही यातायात नियम तोड़ने के सामने आते हैं। गुना के बड़े स्कूलों के बाहर बच्चों को बिना हेलमेट और तीन सवारी बैठाकर अल्हड़ तरीके से घूमते-फिरते देखा जा सकता है।

## सांसद खेल महोत्सव एवं गीता जयंती समापन समारोह, कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

नवभारत न्यूज

**गुना।** आगामी सांसद खेल महोत्सव एवं गीता जयंती के समापन समारोह को सुव्यवस्थित और प्रभावी ढंग से आयोजित करने के उद्देश्य से कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आज एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में कार्यक्रम स्थल की समग्र व्यवस्थाओं, मंच प्रबंधन, अतिथियों के आगमन की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था तथा कार्यक्रमों के क्रमबद्ध संचालन पर विशेष ध्यान दिया गया।

कलेक्टर कन्याल ने निर्देश दिए कि मंच की व्यवस्था आकर्षक एवं व्यवस्थित रहनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि अतिथि उद्बोधन, गीता जयंती से संबंधित शंखनाद, तिलक एवं मंत्रोच्चारण, और पुरस्कार वितरण जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का संचालन समयबद्ध और मर्यादित तरीके से सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश देते हुए पार्किंग व्यवस्था, दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, विद्युत एवं साउंड सिस्टम की गुणवत्ता, आपातकालीन आवश्यकताओं के प्रबंधन और प्रवेशद्वनिकास प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, नगर पालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि हरिसिंह यादव, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सभी संबंधित विभागों को कलेक्टर के निदेर्शों के अनुसार तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कहा गया है।

## आरोन कृषि उपज मंडी में वेतन वृद्धि की मांग पर अड़े हम्माल

**आरोन।** कृषि उपज मंडी में कार्यरत हम्मालों (कामगारों) ने अपनी मांगों को लेकर आज 11 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। हम्मालों की मुख्य मांग हर साल 10 प्रतिशत वेतन वृद्धि और चक्रवृद्धि वेतन की गारंटी है। हड़ताल के चलते मंडी का सारा कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है।

हम्माल पल्लेदार तुलावटी एकता फेडरेशन (सीटू) के अध्यक्ष दिलीप ग्वाल ने हड़ताल की पुष्टि करते हुए बताया, हमारी मुख्य मांग हर साल 10 प्रतिशत की अनिवार्य वृद्धि और चक्रवृद्धि वेतन लागू करने की है। ग्वाल ने आरोप लगाया कि व्यापारियों की ओर से बाहर से लेबर लाकर काम कराने की बात कही जा रही है, लेकिन वे नियमानुसार मजदूरी में बढ़ोतरी करने को तैयार नहीं हैं। इसी कारण सभी हम्माल आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल का सीधा असर मंडी पर दिख रहा है। इन दिनों मंडी में मक्का की बंपर आवक हो रही है, लेकिन तुलाई और लदाई का काम पूरी तरह से ठप हो गया है। काम ठप होने के कारण किसान अपनी फसलें समय पर नहीं बेच पा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान और व्यापारी दोनों ही जल्द से जल्द इस गतिरोध के खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं।

## सृजन कार्यक्रम : सांदीपनि स्कूल में हुआ वर्षभर की उपलब्धियों का प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

**कुंभराज।** सांदीपनि शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुंभराज में आज सृजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वर्षभर में छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में प्राप्त उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न विषयों से संबंधित ज्ञानवर्धक कॉर्नर बनाए। इसमें हिंदी, अंग्रेजी, गणित, संस्कृत, इतिहास, विज्ञान के साथ-साथ उमंग, उज्जवल, ओजस जैसी गतिविधियों से संबंधित कॉर्नर शामिल थे। छात्रों ने अपनी

रचनात्मकता और विषय ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष शारदा साहू उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यालय की समस्त गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया और बच्चों एवं शिक्षकों के कार्यों की खूब प्रशंसा की। उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन भी किया। कार्यक्रम में अभिभावकों (पालकों) और छात्रों में भारी उत्साह देखने को मिला। विद्यालय के प्राचार्य संजय जैन के कुशल मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफल हुआ। कार्यक्रम में वर्ष भर आयोजित सहशैक्षणिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकगण वीरेंद्र बोहरे, नरेश मीना, सुरेश शिल्पकार, अशोक कुमार शिवहरे, इस्ताक खान, रमन साहू, नेहा स्वर्णकार, रचना शर्मा, दीप्ति राजपूत, भारती साहू, ज्योति लोधा, सरोज साहू, तखत सिंह, विवेक नामदेव, समद मोहम्मद मंसूरी, दीपक जैन एवं अन्य सभी शिक्षकों ने अथक मेहनत की।

**सार्वजनिक सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरी पक्षकार वास्तु हाउसिंग फांइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ब्रांच गुना द्वारा, रविन्द्र कुमार साहू के हित में ऋण प्रदाय किये जाने हेतु दस्तावेज एकत्र किऐ जा रहे है, उक्त प्रक्रिया में दस्तावेज जो विक्रेता रघुवीर गिर पुत्र श्री उमकार गिर द्वारा, विक्रीत की भूमि प.ह.न. 28, सर्वे न0 28, 30, 31, 32, 33 में सें क्षेत्रफल 0.674 हैक्ट. वर्गफीट ग्राम/कस्वा अषोकनगर जिला अशोकनगर का विक्रय किया था, जो क्रेता 1. अजयप्रतापसिंह पुत्र श्री जगन्नाथ सिंह, 2. विश्वीर सिंह रघुवंशी पुत्र श्री भगवत सिंह द्वारा क्रय किया गया था, जिसका दस्ता. क्रं. 1355 पुस्तक क्र. अ1/2886 दिनांक 07.07.2001 है, उक्त दस्तावेज (रजिस्ट्री) कहीं गुम हो गया है। यह कि उक्त रक्रा में सें विक्रेता 1.विश्ववीरसिंह रघुवंशी पुत्र श्री भगवत सिंह रघुवंशी, 2. अजयप्रतापसिंह रघुवंशी पुत्र श्री जगन्नाथ सिंह द्वारा क्रेता रविंद्र कुमार साहू पुत्र श्री लालाराम साहू को क्षेत्रफल 759 वर्गफुट का विक्रय पत्र क्र. MP25IGR16712025A101133087 दिनांक 11/12/2025 को विक्रय किया गया हैं।

यदि किसी व्यक्ति को मिली हो तो कृपया मुझे प्रदान करें अथवा मुझसे संपर्क करें। उक्त दस्तावेज का इस्तेमाल कोई करे या खरीदे तो इसके लिए खरीददार स्वयं जिम्मेंदार होगा। यदि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त संव्यवहार सें कोई आपत्ति हो तो आज से सात दिवस के भीतर दस्तावेज सहित मुझ से सम्पर्क करें। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

**सूचना कर्ता**
**शलभ पारीक, एड्वोकेट**
**31/248 आदर्श कॉलोनी गुना**

## एनएफएल क्षेत्र में 11 महीने बाद फिर तेंदुआ की दहशत, अकेले न जाएं कर्मचारी

**गुना।** जिले के राघौगढ़ क्षेत्र में स्थित नवरत्न कंपनी नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) परिसर में 11 महीने बाद एक बार फिर तेंदुआ दिखाई दिया है। एनएफएल की सुरक्षा करने वाले केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने तेंदुआ को अपने कैमरे में रिकॉर्ड किया है।

राघौगढ़ वन विभाग ने तेंदुआ होने की पुष्टि करते हुए एनएफएल महाप्रबंधक को पत्र लिख दिया है। जिसमें कहा गया है कि प्रबंधन अपने कर्मचारी, श्रमिकों और उनके परिवारों को इस बारे में सूचना दे और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति परिसर के जंगल, पानी की उपलब्धतता वाले क्षेत्र में अकेले न जाए। अगर बहुत जरूरी काम हो तो समूह में लोग जा सकते हैं, जिससे तेंदुआ के हमला करने की संभावना कम हो सकती है। साथ ही किसी को तेंदुआ नजर आने पर तुरंत विभाग तक सूचना पहुंचाने के लिए कहा गया है, ताकि उसे रेस्क्यू किया जा सके। इस पत्र के बाद एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एनएफएल प्लांट परिसर में तेंदुआ सड़क के बीचों-बीच टहलता दिखाई दे रहा है।

**जनवरी में भी किया था रेस्क्यू**

इससे पहले जनवरी महीने में भी

एक महीने तक तेंदुए की दहशत एनएफएल और नजदीकी गेल परिसर में देखी गई थी। हालांकि कई दिनों की जद्दोजहद के बाद नेशनल पार्क शिवपुरी से आई टीम ने तेंदुए को रेस्क्यू कर लिया था। एनएफएल और गेल के चारों तरफ जंगली क्षेत्र स्थित है, जहां से वन प्रणाली पानी की तलाश अथवा किसी शिकार का पीछा करते हुए इस कॉमर्शियल क्षेत्र में पहुंच रहे हैं।

## साहित्यिक महफिल : कवि-शायरों ने बिखेरे अपनी कलाम के रंग

**गुना।** निशान साहित्यिक समूह द्वारा बुधवार शाम को गुना में एक शानदार कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गोष्ठी में समाज, प्रेम और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर आधारित कलाम पेश किए गए। अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. श्याम मोहन मिश्रा ने की, जबकि मुख्य अतिथि अशफाक खान रहे। अतिथियों ने साहित्य और काव्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समूह के प्रयासों की सराहना की। गोष्ठी में स्थानीय प्रतिभाओं ने एक से बढ़कर एक रचनाएँ पेश कीं, जिनमें रवि शर्मा बंजारा ने अपने भावनात्मक कलाम से श्रोताओं को प्रभावित किया। उन्होंने कहा उनसे दूर क्या हुए दिन भी काले हो गए, जो अमृत कलश थे वह भी विष के प्याले हो गए। मनीष श्रीवास्तव ने जीवन की गहरी पीड़ा और माँ की ममता को दशार्ते हुए अपनी कविता सुनाते हुए कहा कि दर्द से भारी बोझिल आहें किसकी हैं। गूंज रहीं कानों में सदायें किसकी हैं। मुस्तफा जाकिर ने प्रसिद्ध शायर ताहिर फराज का दिल को छू लेने वाला शेर गाकर सुनाया, जिसमें माँ की महिमा का बखान था। उन्होंने कहा कि अंबर की ऊंचाई धरती की यह गहराई तेरे मन में है समाई ओ माई। तेरा मन अमृत का प्याला यही काबा यही शिवाला तेरी ममता जीवनदाई ओ माई। यावर अब्बासी ने अपनी शायरी में प्रेम और सेहत के भाव को पिरोते हुए कहा कि तुम अयादत को चले आओ दवा हो जाए, मैं तुम्हें देख लूं और मुझको शिफा हो जाए। शिवाजी और मयंक ने अपनी संयुक्त प्रस्तुति में गीत इन सवालों का जवाब कौन देगा गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा, वकार मुतुर्जा, प्रदीप सेन, मंसूर भाई, शुभम, अजय राव, एडवोकेट पुष्पराग, और फिरोज खान ने भी अपनी रचनाएँ प्रस्तुत की।

**मांग** संगठन जिला प्रशासन के पास लेकर पहुंचा, मुक्ति प्रमाण पत्र बनवाने की मांग

# सिंगवासा के सहरिया परिवार को बारां जिले में बनाया बंधक!

**गुना। जिले का प्रशासन चांचौड़ा, राघौगढ़ और कुंभराज तहसीलों में मध्यप्रदेश सहित दूसरे राज्यों को मुक्त कराने की जद्दोजहद में लगा रहा, वहीं गुना जिले के 4 बंधुआ मजदूर राजस्थान में 10 सालों से दबंगों के चंगुल में फंसे हुए थे। यह चौंकाने वाला दावा किया है कि पीड़ित युवा मंडल नामक संगठन ने।**

इस संगठन का दावा है कि उनकी सक्रियता के चलते गुना जिले के चार बंधुआ मजदूरों को राजस्थान के बारां जिले से मुक्त करा लिया गया है। ये चारों मजदूर पिछले 10 वर्षों से एक आरोपी के यहाँ कर्ज चुकाने के लिए बंधुआ मजदूर की तरह रह रहे थे और उन्हें कहीं भी आने-जाने की आजादी नहीं थी। हालांकि, मुक्ति के बाद अब पीड़ित युवा मंडल ने जिला प्रशासन से मजदूरों को जल्द से जल्द मुक्ति प्रमाण पत्र दिलाने की गुहार लगाई है। संगठन के मुताबिक गुना जिले के ग्राम सिंगवासा चक निवासी फूल सिंह सहरिया ने पीड़ित युवा मंडल को सूचना दी थी कि उनके साले भैयालाल, उनकी पत्नी, पुत्र और पुत्रवधू, राजस्थान के बारां जिले के ग्राम निपानिया में पिछले 10 सालों से बंधुआ मजदूर के रूप में रह रहे हैं। परिवार ने 45 हजार रुपए का कर्ज लिया था, जिसे चुकाने के लिए वे आरोपी के घर बंधुआ मजदूर बने हुए थे। आरोप है कि निपानिया निवासी सुरेश धाकड़ चारों को कहीं आने-जाने नहीं दे रहा था, और भागने की कोशिश करने पर उनके साथ मारपीट भी की जाती थी। पीड़ित युवा मंडल ने तुरंत बारां जिले की छबड़ा तहसील एसडीएम को पूरी जानकारी दी। छबड़ा एसडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। पीड़ित युवा मंडल की पहल और छबड़ा प्रशासन की कार्रवाई के परिणामस्वरूप, बंधुआ मजदूर भैयालाल पुत्र कन्नू सहरिया, फूला बाई सहरिया, जानू सहरिया और नंदनी सहरिया को सुरेश धाकड़ के चंगुल से मुक्त करा लिया गया।

**एसडीएम से मांगी मदद**

चारों मजदूरों को मुक्त कराने के बाद पीड़ित युवा मंडल ने एक नई समस्या को उठाया है। संगठन का कहना है कि छबड़ा प्रशासन ने चारों को मुक्त तो करा लिया है, लेकिन उन्हें मुक्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है, जो कि बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास और सरकारी लाभ के लिए आवश्यक होता है। इसको लेकर पीड़ित युवा मंडल ने गुरुवार को एसडीएम कार्यालय, गुना में पहुंचकर मामले की पूरी जानकारी दी और जिला प्रशासन से गुहार लगाई है। संगठन ने मांग की है कि छबड़ा एसडीएम से संपर्क कर गुना तहसील के चारों पीड़ित बंधुआ मजदूरों को शीघ्रता से मुक्ति प्रमाण पत्र दिलाया जाए, ताकि उन्हें न्याय और सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

## जिले में यात्री बसों पर शिकंजा, दो जब्त, 63 हजार का लगाया जुर्माना

**गुना।** कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के सख्त निर्देश पर जिले में यात्री बसों के खिलाफ जांच और कार्रवाई लगातार जारी है। नियमों का उल्लंघन करने वाली दो यात्री बसों को जब्त किया गया है, जबकि अन्य पाँच बसों पर 63,000 का जुमार्ना लगाया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ज्ञानेंद्र वैश्य ने बताया कि आज बजरंगगढ़-आरोन मार्ग पर चल रही लगभग 15 यात्री बसों की सघन जाँच की गई। इस दौरान बसों में परमिट, फिटनेस प्रमाण पत्र, फायर फाइटर (अग्निशमन यंत्र), और फर्स्ट एड किट आदि का निरीक्षण किया गया। जाँच के दौरान, बस क्रमांक एमपी 13 जेड आर 8714 और एमपी 08 पी 0549 बिना वैध परमिट के चलते पाई गईं। नियमों के उल्लंघन के चलते इन दोनों बसों को जब्त कर बजरंगगढ़ और आरोन थाने में खड़ा कराया गया है। इसी प्रकार, अन्य 05 बसों पर विभिन्न अनियमितताओं के लिए कुल 63,000 की चालानी कार्रवाई की

गई। ज्ञानेंद्र वैश्य ने बताया कि आज की गई कार्यवाही के दौरान बस ड्राइवर और कंडक्टरों को यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की सख्त समझाइश भी दी गई।